

Solutions for the automotive industry

SKF Grease

VKG 9/xx IN



Heavy-duty, smooth, all-purpose & buttery textured lithium soap based grease. Ideal after-market solution for vehicle owners & workshops, looking for OE quality.

SKF Grease has been specially designed keeping in mind the need of workshops, which are looking for good OE quality products and want the confidence of a reputed manufacturer. SKF India has a long-standing commitment to the Automotive Industry in providing robust solutions in the after market. Having researched extensively to provide an effective solution to the lubrication requirement of workshops and machines, the new grease ensures:

- High water resistance, leading to extended machine life.
- Good thermal, structural, oxidation and mechanical stability thereby enhancing grease life.
- Protection against rusting and corrosion of lubricated parts.

SKF Grease can be used to lubricate

bearings under normal operating conditions in the majority of applications.

SKF Grease has the advantage that it is more easily retained in the bearing arrangement, particularly where shafts are inclined or vertical, and it also contributes to sealing the arrangement against contaminants, moisture or water, due to its optimum viscosity. Excessive amounts of grease will cause the operating temperature within the bearing to rise rapidly, particularly when running at high speeds. As a general rule, when starting up only the bearing should be completely filled, while the free space in the housing should be partly filled with grease. Thus, SKF grease are designed to save on greasing quantity. Before operating at full speed, the excess grease in the bearing must be allowed to settle or escape during a running-in period. At the end of the running-in period the operating temperature will drop considerably indicating that the grease has been distributed in the bearing arrangement.

However, where bearings are to operate at very low speeds and good protection against contamination and corrosion is required, it is advisable to fill the housing completely with SKF grease.

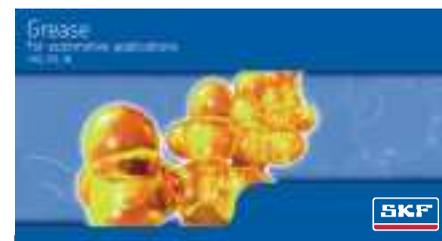
When renewal of the grease fill is made, the used grease in the bearing arrangement should be completely

removed and replaced by fresh SKF grease. Fresh SKF grease should first be packed between the rolling elements. Great care should be taken to see that contaminants are not introduced into the bearing or housing when re-lubricating. When housings are less accessible but are provided with grease nipples and exit holes, it is possible to completely renew the grease fill by re-lubricating several times in close succession until it can be assumed that all old grease has been pressed out of the housing.

The SKF advantage:

- Reduced Lubrication costs
- Reduced Inspection Intervals
- Reduced Downtime

VSM Packaging for SKF Grease



Install confidence, install SKF!

वाहन उद्योग के लिए परिपूर्ण समाधान

SKF ग्रीस

VKG 9/xx IN



हेवी ड्युटी, सभी कामों के लिए उपयुक्त, आवश्यकतानुसार चिकनाहट और मक्खन जैसा लिथियम सोप आधारित ग्रीस। ओ.ई. गुणवत्ता चाहनेवाले वाहन मालिकों और वर्कशॉप के लिए आदर्श वाहन उपाय।

SKF ग्रीस विशेष रूप से उन वर्कशॉप की जरूरतें ध्यान में रखकर बनाया गया है, जिन्हें ओई गुणवत्ता और मान्य उत्पादकों का विश्वास चाहिए। वाहन बाजार को उमदा वाहन उपाय देने के लिए SKF इंडिया लंबे समय से समर्पित है। वर्कशॉप और मशिनों के ल्यूब्रीकेशन जरूरतों को प्रभावशाली उपाय देने के लिए विस्तृत संशोधन किया गया है। इस नये ग्रीस की निम्नलिखित खूबियाँ हैं:

- उच्च जलरोधकता, जिससे मशीन की आयु बढ़ती है।
- अच्छी थर्मल, स्ट्रक्चरल, ऑक्सिडेशन और मेकैनिकल स्थिरता, जो ग्रीस की आयु बढ़ाती है।
- ल्यूब्रीकेटेड पूरों की जंग से रक्षा।

बहुतांश उपयोगों में सामान्य कार्यस्थिति में बेअरिंग को ल्यूब्रीकेट करने के लिए SKF ग्रीस का उपयोग किया जा सकता है। SKF ग्रीस बेअरिंग में सहजता से टिका रहता है, विशेषतः वहाँ जहाँपर शाफ्ट्स झुके हुए या खड़े हैं और साथ में यह अपनी गाढ़पन की

वजह से बेअरिंग को सील कर दूषित करनेवाले घटक, नमी या पानी से इसकी रक्षा करता है, यह इससे लाभ है।

ग्रीस ज्यादा मात्रा में हो तो बेअरिंग के अंदर का तापमान तेजीसे बढ़ सकता है, खासकर तेज गती में चलते वक्त। एक सामान्य नियम के अनुसार शुरुआत में सिर्फ बेअरिंग को पूरी तरह से भरना चाहिए, जबकी हाऊसिंग के रिक्त जगह के कुछ ही हिस्से में ग्रीस भरना चाहिए। अर्थात्, आप SKF ग्रीस से ग्रीस की मात्रा में बचत कर सकते हैं। पूर्ण गती में चलाने से पहले, रनिंग स्थिति में बेअरिंग में मौजूद ज्यादा ग्रीस को स्थिर होने या बाहर आने का अवसर देना चाहिए। रनिंग काल के अंत में कार्यान्वयन तापमान बहुत कम हो जाएगा, जो ये दर्शाता है कि ग्रीस बेअरिंग में वितरित हो चुका है।

परंतु, जहाँपर बेअरिंग को बहुत कम गती से चलाया जाना होता है और दूषित करनेवाले घटक और जंग से रक्षा करने के लिए अच्छे संरक्षण की जरूरत होती है, वहाँपर हाऊसिंग को SKF ग्रीस से पूरी तरह भरना चाहिए।

ग्रीस को दुबारा भरते वक्त बेअरिंग में मौजूद पुराने ग्रीस को पूरी तरह से निकालकर उस में नया SKF ग्रीस भरें। नये SKF ग्रीस को शुरुआत में रोलर्स में पैक करना चाहिए। इस रिल्यूब्रीकेटिंग प्रक्रिया के दौरान बेअरिंग या हाऊसिंग में दूषित करनेवाले घटक प्रवेश ना

करें, इसका बहुत अच्छा ध्यान रखना चाहिए। जब हाऊसिंग कम खुला होता है, पर ग्रीस निपल्स या एक्झिट छेद दिए गए हो तो पुराना ग्रीस, हाऊसिंग से बाहर निकल आने तक लगातार अनेक बार रिल्यूब्रीकेशन कर के नया ग्रीस पूरी तरह से भरना मुमकीन होता है और यह माना जा सकता है कि पुराना ग्रीस बाहर आ चुका है।

SKF फायदे:

- कम ल्यूब्रीकेशन खर्च
- कम इन्स्पेक्शन इंटरवलस
- कम डाऊनटाईम

SKF ग्रीस के लिए VSM पैकेजिंग



SKF लगाओ, विश्वास जगाओ।